

**M.P. JUDICIAL SERVICE (CIVIL JUDGE) MAIN EXAMINATION -2018**

अनुक्रमांक/Roll No.

--	--	--	--

Total No. of Questions : 7

No. of Printed Pages : 4

कुल प्रश्नों की संख्या : 7

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

**CONSTITUTION, CIVIL LAW & PROCEDURE**

संविधान, व्यवहार विधि एवं प्रक्रिया

**First Question Paper**

प्रथम प्रश्न-पत्र

समय – 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

Time Allowed – 3:00 Hours

Maximum Marks – 100

निर्देश :-

**Instructions :-**

1. All questions are compulsory. Answer to all Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of the question, the English version shall prevail.  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।
2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any Number or any mark of identification in any form in any place of the Answer Book not provided for, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.  
उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।
3. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done.  
सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर-पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्ता/मूल्यांकनकर्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो ऐसी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./  
प्र.क्र.

Question / प्रश्न

Marks/  
अंक

**CONSTITUTION OF INDIA**

भारत का संविधान

- 1(a) Describe the right to life and personal liberty, whether death sentence is violative of Article-21? How the right to life and personal liberty, guaranteed by Article 21, may be curtailed? 8  
जीवन एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार का वर्णन कीजिए। क्या मृत्युदण्ड अनुच्छेद 21 के उल्लंघन में है ? अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्याभूत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को कैसे छीना जा सकता है ?
- 1(b) "A declaration of Fundamental Rights is meaningless unless there is effective judicial remedy for their enforcement." Comment. What are the judicial remedies which the Constitution provides ? Explain in brief. 8  
"मूल अधिकारों की घोषणा मात्र ही कोई महत्व नहीं रखती जब तक कि उनके प्रवर्तन के लिये प्रभावकारी न्यायिक उपचार न हो।" टिप्पणी कीजिए। इस संबंध में संविधान द्वारा प्रावधानित न्यायिक उपचार क्या हैं ? संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए।

**CIVIL PROCEDURE CODE, 1908**

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908

- 2(a) Define (2 numbers for each) :- 8  
(A) Legal representative  
(B) Mesne profits  
(C) Decree  
(D) Order  
परिभाषित कीजिए (प्रत्येक हेतु 2 अंक)–  
(अ) विधिक प्रतिनिधि  
(ब) अन्तःकालीन लाभ  
(स) डिक्री  
(द) आदेश
- 2(b) Whether any change in the interpretation of relevant provision of law permits the parties to re-agitate matters which have been finally decided by a Court of competent jurisdiction ? 8  
क्या विधि के प्रासंगिक प्रावधान की व्याख्या में हुआ कोई बदलाव पक्षकारों को ऐसे मामलों को फिर से विवादित करने की अनुमति देता है जो एक सक्षम न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से निराकृत किये जा चुके हैं ?

**TRANSFER OF PROPERTY ACT, 1882**

संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882

- 3(a) Explain the right of redemption of a mortgagor. Whether a mortgagor can seek partial redemption ? 8

एक बन्धककर्ता के मोचन अधिकार की व्याख्या कीजिए। क्या एक बन्धककर्ता आंशिक मोचन कर सकता है ?

- 3(b) Section 5 of Transfer of Property Act provides that expression “transfer of property” means an act by which a living person conveys property, in present or in future, to one or more other living persons, or to himself and one or more other living persons :- 8

- (i) Whether family arrangement is transfer ?  
 (ii) Whether surrender is amounts to transfer ?  
 (iii) Whether an Idol is a living person ?

धारा 5 संपत्ति अंतरण अधिनियम प्रावधानित करती है कि संपत्ति के अंतरण से ऐसा कार्य अभिप्रेत है जिसके द्वारा कोई जीवित व्यक्ति एक या अधिक अन्य जीवित व्यक्तियों को या स्वयं को अथवा स्वयं और एक या अधिक अन्य जीवित व्यक्तियों को वर्तमान में या भविष्य में संपत्ति का हस्तांतरण, संपत्ति का अंतरण करना है :-

- (1) क्या पारिवारिक व्यवस्था अंतरण है ?  
 (2) क्या राशि का समर्पण अंतरण है ?  
 (3) क्या मूर्ति जीवित व्यक्ति है ?

**INDIAN CONTRACT ACT, 1872**

भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

- 4(a) What will be the place for the performance of promise, where no application to be made and no place fixed for performance ? Please give example. What will be the time for performance of promise, Where no application is to be made and no time is specified ? Please clarify legal provision. 8

वचन के पालन के लिए स्थान क्या होगा, जहाँ कि पालन के लिए आवेदन न किया जाना हो और कोई स्थान नियत न हो ? कृपया उदाहरण दें। वचन के पालन के लिए समय क्या होगा, जहाँ कि पालन के लिए आवेदन न किया जाना हो और कोई समय विनिर्दिष्ट न हो ? कृपया विधिक प्रावधान स्पष्ट करें।

- 4(b) What are the obligations which the law creates in the absence of the agreements ? Explain with concerning sections, with the help of illustrations. 8

वे कौन-सी बाध्यताएं हैं, जो करार के अभाव में विधि द्वारा सृजित हैं ? संबंधित धाराओं एवं दृष्टान्तों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

**SPECIFIC RELIEF ACT, 1963**

**विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963**

- 5(a) What is the position of law regarding specific performance of part of Contract ? 8

संविदा के भाग के विनिर्दिष्ट पालन के संबंध में विधि की क्या स्थिति है ?

- 5(b) To whom and in which conditions court can grant declaratory decree ? What is the effect of declaration ? 8

घोषणात्मक अनुतोष की डिक्री किसे व किन परिस्थितियों में दी जा सकती है ? घोषणा का प्रभाव क्या होता है ?

**LIMITATION ACT, 1963**

**परिसीमा अधिनियम, 1963**

6. Time commences to run, the moment the right to sue accrues. State the exceptions, if any to the above rule. 8

जिस क्षण वाद प्रस्तुत करने का अधिकार प्रारंभ होता है, उसी क्षण समय का बीतना प्रारंभ हो जाता है। उपरोक्त नियम के यदि कोई अपवाद हो तो उनका उल्लेख कीजिए।

**MIXED**

**मिश्रित**

7. Write Short-notes on : - 12

- (a) Onerous Gifts.  
(b) Distinction between fraud and misrepresentation.  
(c) Colourable legislation.

**लिखित नोट्स**

- (अ) दुर्भर दान ।  
(ब) कपट एवं दुर्व्यपदेशन में भेद ।  
(स) अभासी विधायन ।

\*\*\*\*\*